Maharshi Dayanand University
Rohtak

Ordinance, Syllabus of M.A. Sanskrit
IIIrd & IVth Semester
Examination

Session—2009-10

Printed at : **M.D.U. Press, Rohtak**

Available from :

Incharge (Publication)
Maharshi Dayanand University
Rohtak-124 001 (Haryana)

Price :

At the Counter : 50/-
At Regd. Parcel : 90/-
By Ordinary Post : Rs. 70/-

Scheme of Examination M.A. Sanskrit
IIIrd & IVth Semester-2009-10
तृतीय सामिसत्र
एकादश पत्र
संस्कृति एवं धर्मशास्त्र (भाग-1)

समय : 3 घण्टे पूर्णाङ्कः 80 आन्तरिक आकलन : 20

विकल्प-A-संस्कृत व्याकरण
द्वादश पत्र (12-A)
व्याकरणशास्त्र का इतिहास

समय : 3 घण्टे पूर्णाङ्कः 80 आन्तरिक आकलन : 20

त्रयोदश पत्र (13-A)
प्राच्य व्याकरण (काशिका)

समय : 3 घण्टे पूर्णाङ्क : 80 आन्तरिक आकलन : 20

चतुर्दश पत्र (14-A)
सिद्धान्त कौमुदी (तिङन्त प्रकरण)

समय : 3 घण्टे पूर्णाङ्क : 80 आन्तरिक आकलन : 20

पञ्चदश पत्र (15-A)
महाभाष्य

समय : 3 घण्टे पूर्णाङ्क : 80 आन्तरिक आकलन : 20

विकल्प-B-भारतीय दर्शन
द्वादश पत्र (12-B)
वैदिक दर्शन

समय : 3 घण्टे पूर्णाङ्क : 80 आन्तरिक आकलन : 20

त्रयोदश पत्र (13-B)
चार्वाक, जैन एवं बौद्ध दर्शन

समय : 3 घण्टे पूर्णाङ्क : 80 आन्तरिक आकलन : 20

चतुर्दश पत्र (14-B)
सांख्य दर्शन

समय : 3 घण्टे पूर्णाङ्क : 80 आन्तरिक आकलन : 20

पंचदश पत्र (15-B)
योग दर्शन

समय : 3 घण्टे पूर्णाङ्क : 80 आन्तरिक आकलन : 20

विकल्प-C लौकिक संस्कृत साहित्य
द्वादश पत्र (12-C)
पद्य साहित्य (भाग-1)

समय : 3 घण्टे पूर्णाङ्क : 80 आन्तरिक आकलन : 20

त्रयोदश पत्र (13-C)
नाट्य साहित्य (भाग-1)

समय : 3 घण्टे पूर्णाङ्क : 80 आन्तरिक आकलन : 20

चतुर्दश पत्र (14-C)
गद्य साहित्य (भाग-1)

समय : 3 घण्टे पूर्णाङ्क : 80 आन्तरिक आकलन : 20

पञ्चदश पत्र (15-C)
काव्य शास्त्र (भाग-1)

समय : 3 घण्टे पूर्णाङ्क : 80 आन्तरिक आकलन : 20

विकल्प-D-वैदिक साहित्य
द्वादश पत्र (12-D)
ऋग्वेद एवं यजुर्वेद संहिता

समय : 3 घण्टे पूर्णाङ्क : 80 आन्तरिक आकलन : 20

त्रयोदश पत्र (13-D)
सामवेद एवं अथर्ववेद संहिता

समय : 3 घण्टे पूर्णाङ्क : 80 आन्तरिक आकलन : 20

चतुर्दश पत्र (14-D)

ब्राह्मण साहित्य

समय : 3 घण्टे पूर्णाङ्क : 80 आन्तरिक आकलन : 20

चतुर्थ सामिसत्र

षोडश पत्र

संस्कृति एवं धर्मशास्त्र (भाग-2)

समय : 3 घण्टे पूर्णाङ्क : 80 आन्तरिक आकलन : 20

विकल्प-A

व्याकरण

सप्तदश पत्र (17-A)

सिद्धान्तकौमुदी (सुबन्त, कृत्य एवं तद्धित प्रकरण)

समय : 3 घण्टे पूर्णाङ्क : 80 आन्तरिक आकलन : 20

अष्टादश पत्र-A (18-A)

उणादिपाठ एवं लिङ्गानुशासन

समय : 3 घण्टे पूर्णाङ्क : 80 आन्तरिक आकलन : 20

एकोनविंश पत्र (19-A)

सिद्धान्तकौमुदी (समास एवं प्रक्रिया)

समय : 3 घण्टे पूर्णाङ्क : 80 आन्तरिक आकलन : 20

विंश पत्र (20-A)

व्याकरणदर्शन

समय : 3 घण्टे पूर्णाङ्क : 80 आन्तरिक आकलन : 20

विकल्प-B

भारतीय दर्शन

सप्तदश पत्र (17-B)

न्याय-वैशेषिक दर्शन (प्राच्य)

समय : 3 घण्टे पूर्णाङ्क : 80 आन्तरिक आकलन : 20

अष्टादश पत्र (18-B)

न्याय-वैशेषिक दर्शन (नव्य)

समय : 3 घण्टे पूर्णाङ्क : 80 आन्तरिक आकलन : 20

एकोनविंश पत्र (19-B)

मीमांसा एवं वेदान्त दर्शन

समय : 3 घण्टे पूर्णाङ्क : 80 आन्तरिक आकलन : 20

विंश पत्र (20-B)

रामानुज एवं दयानन्द दर्शन

समय : 3 घण्टे पूर्णाङ्क : 80 आन्तरिक आकलन : 20

विकल्प-C

लौकिक संस्कृत साहित्य

सप्तदश पत्र (17-C)

पद्य साहित्य (भाग-2)

समय : 3 घण्टे पूर्णाङ्क : 80 आन्तरिक आकलन : 20

विकल्प-C

अष्टादश पत्र (18-C)

नाट्य साहित्य (भाग-2)

समय : 3 घण्टे पूर्णाङ्क : 80 आन्तरिक आकलन : 20

एकोनविंश पत्र (19-C)

आधुनिक संस्कृत साहित्य

समय : 3 घण्टे पूर्णाङ्क : 80 आन्तरिक आकलन : 20

विंश पत्र (20-C)

काव्यशास्त्र (भाग-2)

समय : 3 घण्टे पूर्णाङ्क : 80 आन्तरिक आकलन : 20

विकल्प-D

सप्तदश पत्र (17-D)

श्रौतसूत्र साहित्य

समय : 3 घण्टे पूर्णाङ्क : 80 आन्तरिक आकलन : 20

अष्टादश पत्र (18-D)

गृह्यसूत्र साहित्य

समय : 3 घण्टे पूर्णाङ्क : 80 आन्तरिक आकलन : 20

एकोनविंश पत्र (19-D)

धर्मसूत्र एवं शुल्बसूत्र

समय : 3 घण्टे पूर्णाङ्क : 80 आन्तरिक आकलन : 20

विंश पत्र (20-D)

वैदिक अध्ययन परम्परा

समय : 3 घण्टे पूर्णाङ्क : 80 आन्तरिक आकलन : 20

तृतीय सामिसत्र

एकादश पत्र

संस्कृति एवं धर्मशास्त्र (भाग-1)

समय : 3 घण्टे **पूर्णाङ्क: 80**

घटक-I	मनुस्मृति (प्रथम अध्याय)	20
घटक-II	मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय)	20
घटक-III	याज्ञवल्क्य स्मृति (व्यवहाराध्याय)	20
	(i) साधारण व्यवहारमात्रिक प्रकरण	
	(ii) असाधारण व्यवहारमात्रिक प्रकरण	
	(iii) लेख्य प्रकरण	
घटक-IV	याज्ञवल्क्य स्मृति (व्यवहाराध्याय)	20
	(i) ऋणादान प्रकरण	
	(ii) दायविभाग प्रकरण	

दिशानिर्देश-

घटक-I	(क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	10
	(ख) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-II	(क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	10
	(ख) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-III	(क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	10
	(ख) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-IV	(क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	10
	(ख) दो में से एक प्रश्न	

पंचम प्रश्न- चारों घटकों में से 2½-2½ अंक वाले विकल्प रहित लघूत्तरात्मक 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है। 20

अनुशंसित ग्रन्थ-

1. मनुस्मृति-सम्पादक जयन्तकृष्ण हरिकृष्ण दवे, भारतीय विद्या भवन, मुम्बई।
2. मनुस्मृति-सम्पादक गंगानाथ झा, परिमल पब्लिकेशंस, दिल्ली।
3. मनुस्मृति-व्याख्याकार डॉ० सुरेन्द्र कुमार, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, दिल्ली।
4. याज्ञवल्क्य स्मृति-व्याख्याकार गंगा सागर राय।
5. याज्ञवल्क्य स्मृति-उमेशचन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
6. Hindu Judicial System-S. Vadachari
7. Laws of Manu-G. Buhler
8. Hindu Jurisprudence-P.K. Sen.

विकल्प-A-संस्कृत व्याकरण

द्वादश पत्र (12-A)

व्याकरणशास्त्र का इतिहास

समय : 3 घण्टे **पूर्णाङ्क : 80**

घटक-I	शिक्षा, निरुक्त, प्रातिशाख्य	20
घटक-II	पाणिनीय परम्परा	20
घटक-III	पाणिनीयेतर परम्परा	20
घटक-IV	नव्य व्याकरण और व्याकरण दर्शन	20

दिशानिर्देश-

घटक-I	दो में से एक प्रश्न	15
घटक-II	दो में से एक प्रश्न	15
घटक-III	दो में से एक प्रश्न	15
घटक-IV	दो में से एक प्रश्न	15

पंचम प्रश्न-चारों घटकों में से 2½-2½ अंक वाले विकल्प रहित लघूत्तरात्मक 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ-

1. व्याकरण शास्त्र का इतिहास (भाग 1-3)-युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट, बहालगढ़ (सोनीपत)।
2. व्याकरण शास्त्र का इतिहास (छात्रोपयोगी संस्करण)-युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट, बहालगढ़ (सोनीपत)।
3. संस्कृत व्याकरण का इतिहास-सत्यकाम वर्मा।
4. संस्कृत व्याकरण की रूपरेखा-डॉ० यज्ञवीर दहिया, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।
5. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास-बलदेव उपाध्याय।
6. व्याकरण दर्शन-रामसुरेश त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन।

7. History of Sanskrit Grammer-A.V. Abhyankar.

त्रयोदश पत्र (13-A)

प्राच्य व्याकरण (काशिका)

समय : 3 घण्टे **पूर्णाङ्क : 80**

घटक-I	काशिका (प्रथम अध्याय-1-2 पाद)	20
घटक-II	काशिका (प्रथम अध्याय-3-4 पाद)	20
घटक-III	काशिका (द्वितीय अध्याय-1-2 पाद)	20
घटक-IV	काशिका (द्वितीय अध्याय-3-4 पाद)	20

दिशानिर्देश-

घटक-I	6 सूत्रों में से 3 सूत्रों की उदाहरण व प्रत्युदाहरण सहित व्याख्या	15
घटक-II	6 सूत्रों में से 3 सूत्रों की उदाहरण व प्रत्युदाहरण सहित व्याख्या	15
घटक-III	6 सूत्रों में से 3 सूत्रों की उदाहरण व प्रत्युदाहरण सहित व्याख्या	15
घटक-IV	6 सूत्रों में से 3 सूत्रों की उदाहरण व प्रत्युदाहरण सहित व्याख्या	15

पंचम प्रश्न-चारों घटकों में से 2½-2½ अंक वाले विकल्प रहित लघूत्तरात्मक 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ-

1. काशिका, व्याख्या-जयशंकर लाल त्रिपाठी, तारापुर बुक एजेंसी, वाराणसी।
2. काशिका, व्याख्या-डॉ० वेदपाल विद्याभास्कर, साहित्य भण्डार, मेरठ।
3. काशिका, व्याख्या-पं० ईश्वर चन्द्र, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली।

त्रयोदश पत्र (14-A)
सिद्धान्त कौमुदी (तिङन्त प्रकरण)

समय : 3 घण्टे **पूर्णाङ्क : 80**

घटक-I	भ्वादिगण-('भू सत्तायाम्' से लेकर 'खद् स्थैर्ये हिंसायाम् च' तक)	20
घटक-II	भ्वादिगण-('गद् व्यक्तायां वाचि' से लेकर 'टुओश्वि गतिवृद्ध्योः' तक)	20
घटक-III	अदादिगण, जुहोत्यादिगण, दिवादिगण	20
घटक-IV	स्वादिगण, तुदादिगण, तनादिगण, क्र्यादिगण, चुरादिगण	20

दिशानिर्देश-

घटक-I	(क) 8 में से 4 रूपों की सिद्धि	15
	(ख) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या	5
घटक-II	(क) 8 में से 4 रूपों की सिद्धि	10
	(ख) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या	5
घटक-III	(क) 8 में से 4 रूपों की सिद्धि	10
	(ख) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या	5
घटक-IV	(क) 8 में से 4 रूपों की सिद्धि	10
	(ख) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या	5

पंचम प्रश्न-चारों घटकों में से 2½-2½ अंक वाले विकल्प रहित लघूत्तरात्मक 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ-

1. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी (तृतीय भाग) पं० बालकृष्ण पंचोली।
2. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी (तृतीय भाग) व्याख्याकार पं० गिरिधर शर्मा एवं पं० परमेश्वरानन्द शर्मा भास्कर।

पञ्चदश पत्र (15-A)
महाभाष्य

समय : 3 घण्टे **पूर्णाङ्क : 80**

घटक-I	प्रथम आह्निक (प्रारम्भ से अस्त्यप्रयुक्तः वार्तिक से पूर्व तक)	20
घटक-II	प्रथम आह्निक (अस्त्यप्रयुक्तः से अन्त तक)	20
टक-III	द्वितीय आह्निक (अइउण् से लेकर ऐऔच् प्रत्याहार सूत्र तक)	20
घटक-IV	द्वितीय आह्निक (हयवरट् से लेकर झभञ् प्रत्याहार सूत्र तक)	20

दिशानिर्देश-

घटक-I	(क) 2 संदर्भों में से एक की व्याख्या	8
	(ख) 2 प्रश्नों में से एक प्रश्न	7
घटक-II	(क) 2 संदर्भों में से एक की व्याख्या	8
	(ख) 2 प्रश्नों में से एक प्रश्न	7
घटक-III	(क) 2 संदर्भों में से एक की व्याख्या	8
	(ख) 2 प्रश्नों में से एक प्रश्न	7
घटक-IV	(क) 2 संदर्भों में से एक की व्याख्या	8
	(ख) 2 प्रश्नों में से एक प्रश्न	7

पंचम प्रश्न-चारों घटकों में से 2½-2½ अंक वाले विकल्प रहित लघूत्तरात्मक 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ-

1. व्याकरण महाभाष्य, व्याख्याकार-युधिष्ठिर मीमांसक।
2. व्याकरण महाभाष्य, व्याख्याकार-चारुदेव शास्त्री।
3. व्याकरण महाभाष्य, व्याख्याकार-डॉ० सुदर्शन देव आचार्य।
4. व्याकरण महाभाष्य, व्याख्याकार-डॉ० अवनीन्द्र कुमार।
5. व्याकरण महाभाष्य, व्याख्याकार-डॉ० भीम सिंह।

विकल्प-B-भारतीय दर्शन
द्वादश पत्र (12-B)
वैदिक दर्शन

समय : 3 घण्टे **पूर्णाङ्क : 80**

घटक-I	वैदिक तत्त्व मीमांसा-सृष्टि, ब्रह्म, पुरुष, ईश्वर, आत्मा, माया, प्रकृति (संहिता और उपनिषत् साहित्य के परिप्रेक्ष्य में)	20
घटक-II	अथर्ववेद (स्कम्भसूक्त)10/7	20
घटक-III	अथर्ववेद (आत्मसूक्त) 10/8	20
घटक-IV	मुण्डकोपनिषद्	20

दिशानिर्देश-

घटक-I	2 में से एक निबन्धात्मक प्रश्न	15
घटक-II	4 मंत्रों में से 2 की व्याख्या	15
घटक-III	4 मंत्रों में से 2 की व्याख्या	15
घटक-IV	4 मंत्रों में से 2 की व्याख्या	15

पंचम प्रश्न-चारों घटकों में से 2½-2½ अंक वाले विकल्प रहित लघूत्तरात्मक 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ-

1. वैदिक दर्शन-कपिलदेव द्विवेदी।
2. ऋग्वेद में दार्शनिक तत्त्व-गणेशदत्त शर्मा।
3. अथर्ववेद का सांस्कृतिक अध्ययन-कपिलदेव द्विवेदी।
4. भारतीय दर्शन-आचार्य बलदेव उपाध्याय।
5. अथर्ववेद भाष्य-श्रीपाद दामोदर सातवलेकर।
6. अथर्ववेद भाष्य-क्षेमकरणदास त्रिवेदी।
7. वैदिक साहित्य और संस्कृति-बलदेव उपाध्याय।
8. वैदिक धर्म और दर्शन-बलदेव उपाध्याय।
9. Religion of Veda-Oldenberg.
10. Destiny of the Veda-Louis Renon.
11. Theory of causation in Indian Philosaphy-Mahesh Chandra Bhartiya.

त्रयोदश पत्र (13-B)
चार्वाक, जैन एवं बौद्ध दर्शन

समय : 3 घण्टे **पूर्णाङ्क : 80**

घटक-I	चार्वाक दर्शन (सर्वदर्शन-संग्रह-माधवाचार्य)	20
घटक-II	जैन दर्शन (जैन दर्शन सार-स्वामी चैनसुखदास)	20
घटक-III	बौद्धदर्शन (सर्वदर्शन संग्रह-माधवाचार्य)	20
घटक-IV	चार्वाक, जैन एवं बौद्ध दर्शन का सर्वेक्षण (प्रमुख आचार्य, प्रमुख ग्रन्थ)	20

दिशानिर्देश-

घटक-I	(क) दो में से एक सन्दर्भ की व्याख्या	7
	(ख) दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न	8
घटक-II	(क) दो में से एक सन्दर्भ की व्याख्या	7
	(ख) दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न	8
घटक-III	(क) दो में से एक सन्दर्भ की व्याख्या	7
	(ख) दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न	8
घटक-IV	दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न अथवा छह में से तीन लघु टिप्पणियां	15

पंचम प्रश्न-चारों घटकों में से 2½-2½ अंक वाले विकल्प रहित लघूत्तरात्मक 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ-

1. सर्वदर्शन संग्रह-माधवाचार्य-संस्कृत टीकाकार-काशीनाथ वासुदेव अभ्यङ्कर।
2. सर्वदर्शन संग्रह, माधवाचार्य-हिन्दी व्या० उमाशंकर शर्मा ऋषि।
3. जैनदर्शन सार-स्वामी चैनसुखदास।
4. भारतीय दर्शन-आचार्य बलदेव उपाध्याय।

5. भारतीय दर्शन का इतिहास–एस.एन. दास गुप्त।
6. भारतीय दर्शन, भाग–1, राधाकृष्णन्।
7. भारतीय दर्शन की भूमिका–रामचन्द्र पाण्डेय।
8. चार्वाक दर्शन की शास्त्रीय समीक्षा–सर्वानन्द पाठक।
9. बौद्ध दर्शन मीमांसा–बलदेव उपाध्याय।
10. बौद्ध दर्शन–राहुल सांकृत्यायन।
11. भारतीय दर्शन, डॉ० बी०एस० मेहरा, देवेश पब्लिकेशंस्।
12 Sarvadarsana Sangraha-Eng. Tr. E.B.-Cowell and A.E. Gough.
13. Lokayata-D.P. Chattopadhyaya.
14. Buddhist Logic (Vol 1 & 2) Tr. St. Cherbatsky.

चतुर्दश पत्र (14-B)
सांख्य दर्शन

समय : 3 घण्टे **पूर्णाङ्क : 80**

घटक–I & II	सांख्य दर्शन सांख्यप्रवचन भाष्य सहित (प्रथम–द्वितीय अध्याय)	40
घटक–III	सांख्य दर्शन सांख्यप्रवचन भाष्य सहित (तृतीय अध्याय)	20
घटक–IV	सांख्य दर्शन का सर्वेक्षण (प्रमुख आचार्य, प्रमुख ग्रन्थ)	20

दिशानिर्देश–

घटक–I&II	(क) छह में से तीन की व्याख्या	15
	(ख) दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न	15
घटक–III	(क) छह में से तीन सूत्रों का व्याख्या	15
घटक–IV	दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न अथवा छह में से तीन लघु टिप्पणियां	15

पंचम प्रश्न–चारों घटकों में से 2½-2½ अंक वाले विकल्प रहित लघूत्तरात्मक 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ–

1. सांख्य दर्शन–विज्ञानभिक्षुकृतभाष्यसमेतम्, रामशंकर भट्टाचार्य।
2. सांख्य दर्शन–ब्राह्ममुनिभाष्योपेतम्।
3. सांख्य दर्शन–आचार्य उदवीर शास्त्री।
4. सांख्य दर्शन का इतिहास–आचार्य उदयवीर शास्त्री।
5. सांख्य सिद्धान्त–आचार्य उदयवीर शास्त्री।
6. भारतीय दर्शन–आचार्य बलदेव उपाध्याय।
7. Sankhya System–A.B. Keith
8. भारतीय दर्शन का इतिहास–एस.एन. दास गुप्ता।
9. भारतीय दर्शन, भाग–1, राधाकृष्णन्।
10. Origin and Development of Samkhya System of Thought.
-Pulinbihari Chakravarti

पञ्चदश पत्र (15-B)
योग दर्शन

समय : 3 घण्टे **पूर्णाङ्क : 80**

घटक-I	योगदर्शन (व्यासभाष्य सहित) प्रथम पाद	20
घटक-II	योगदर्शन (व्यासभाष्य सहित) द्वितीय पाद	20
घटक-III	योगदर्शन (व्यासभाष्य सहित) तृतीय-चतुर्थ पाद	20
घटक-IV	योगदर्शन का सर्वेक्षण (प्रमुख आचार्य, प्रमुख ग्रन्थ)	20

दिशानिर्देश-

घटक-I	(क) 4 सूत्रों में से दो की व्याख्या	8
	(ख) 2 में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न	15
घटक-II	(क) 4 सूत्रों में से दो की व्याख्या	8
घटक-III	(क) 4 सूत्रों में से दो की व्याख्या	8
	(क) 2 में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न	7
घटक-IV	2 में से एक निबन्धात्मक प्रश्न	15

पंचम प्रश्न-चारों घटकों में से 2½-2½ अंक वाले विकल्प रहित लघूत्तरात्मक 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ-

1. पातञ्जलयोगसूत्रम् (व्यासभाष्यम्)-व्या० ब्रह्मलीन मुनि।
2. पातञ्जलयोगसूत्रम् (व्यासभाष्यम्)-व्या० सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव्य।
3. पातञ्जलयोगसूत्रम् (व्यासभाष्यम्)-व्या० हरिहरानन्द आरण्य।
4. पातञ्जलयोगसूत्रम् (व्यासभाष्यम्)-व्या० आचार्य राजवीर शास्त्री।
5. भारतीय दर्शन-आचार्य बलदेव उपाध्याय।
6. भारतीय दर्शन का इतिहास-एस.एन. दास गुप्त।
7. भारतीय दर्शन-राधाकृष्णन्।
8. व्याख्याकारों की दृष्टि में पातञ्जल योगदर्शन-विमला कर्णाटक।
9. The Yoga System of Patanjali–J.H. Woods.

विकल्प-C–लौकिक संस्कृत साहित्य
चतुर्दश पत्र (12-C)
पद्य साहित्य (भाग-1)

समय : 3 घण्टे **पूर्णाङ्क : 80**

घटक-I	नैषधीयचरित (प्रथम सर्ग 1-80 श्लोक)	20
घटक-II	नैषधीयचरित (प्रथम सर्ग 81से अंत तक)	20
घटक-III	रघुवंश (प्रथम सर्ग)	20
घटक-IV	रघुवंश (चतुर्दश सर्ग)	20

दिशानिर्देश-

घटक-I	(क) चार में से दो श्लोकों व्याख्या	10
	(ख) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-II	(क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	10
	(ख) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-III	(क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	10
	(क) दो में एक प्रश्न	5
घटक-IV	(क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	10
	(ख) दो में से एक प्रश्न	5

पंचम प्रश्न-चारों घटकों में से 2½-2½ अंक वाले विकल्प रहित लघूत्तरात्मक 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ-

1. नैषधीयचरित-व्याख्याकार-शेष कृष्ण शर्मा रेग्मी।
2. नैषधीयचरितम्-निर्णयसागर प्रेस, मुम्बई।
3. रघुवंश, अंग्रेजी अनुवाद-एम०आर० काले।

त्रयोदश पत्र (13-C)
नाट्य साहित्य (भाग-1)

समय : 3 घण्टे **पूर्णाङ्क : 80**

घटक-I	रत्नावली-(श्रीहर्ष)	20
घटक-II	कर्णभार-(भास)	20
घटक-III	मुद्राराक्षस-(1-4 अंक)	20
घटक-IV	मुद्राराक्षस-(5-7 अंक)	20

दिशानिर्देश-

घटक-I	(क) चार में से दो श्लोकों व्याख्या	10
	(ख) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-II	(क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	10
	(ख) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-III	(क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	10
	(क) दो में एक प्रश्न	5
घटक-IV	(क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	10
	(ख) दो में से एक प्रश्न	5

पंचम प्रश्न-चारों घटकों में से 2½-2½ अंक वाले विकल्प रहित लघूत्तरात्मक 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ-

1. रत्नावली-ब्रजरत्न भट्टाचार्य, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली/वाराणसी।
2. रत्नावली-आचार्य श्री रामचन्द्र मिश्र, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी।
3. भासनाटकचक्रम्-सी०आर० देवधर, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली।
4. भासनाटकचक्रम-सम्पा. व्या० डॉ० सुधाकर मालवीय कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।
5. मुद्राराक्षसम्-व्या० डॉ० निरूपण विद्यालंकार साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ।
6. मुद्राराक्षसम्-व्या० पुष्पा गुप्ता, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।

चतुर्दश पत्र (14-C)
गद्य साहित्य (भाग-1)

समय : 3 घण्टे **पूर्णाङ्क : 80**

घटक-I	शिवराजविजय (1-3 उच्छ्वास)	20
घटक-II	शिवराजविजय (4-6 उच्छ्वास)	20
घटक-III	कादम्बरी(महाश्वेतावृत्तान्त)-तस्य च दक्षिणं ततो-से-दत्तदृष्टि: सुचिरं व्यचरम् तक।	20
घटक-IV	कादम्बरी (महाश्वेतावृत्तान्त)- अथैकस्मिन्सर: समीपवर्तिनि-से-अतिचिरमुच्चै:-तक	20

दिशानिर्देश-

घटक-I	(क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	10
	(क) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-II	(क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	10
	(क) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-III	(क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	10
	(क) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-IV	(क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	10
	(क) दो में से एक प्रश्न	5

पंचम प्रश्न-चारों घटकों में से 2½-2½ अंक वाले विकल्प रहित लघूत्तरात्मक 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ-

1. शिवराजविजय-सम्पा० श्री केदारनाथ मिश्र, भार्गव भूषण प्रेस, वाराणसी।
2. कादम्बरी (पूर्व भाग)-सम्पा० श्री निवास शास्त्री तथा महेश भारतीय।

चतुर्दश पत्र (15-C)
काव्य शास्त्र (भाग-1)

समय : 3 घण्टे **पूर्णाङ्क : : 80**

घटक-I	काव्यमीमांसा (राजशेखर)-(1-5 अध्याय)	20
घटक-II	दशरूपक (धनञ्जय)-(प्रथम प्रकाश)	20
घटक-III	दशरूपक (धनञ्जय)-(तृतीय प्रकाश)	20
घटक-IV	नाट्यशास्त्र (भरत)-(प्रथम अध्याय)	20

दिशानिर्देश-

घटक-I	(क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	10
	(क) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-II	(क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	10
	(क) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-III	(क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	10
	(क) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-IV	(क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	10
	(क) दो में से एक प्रश्न	5

पंचम प्रश्न-चारों घटकों में से 2½-2½ अंक वाले विकल्प रहित लघूत्तरात्मक 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ-

1. काव्यमीमांसा-राजशेखर।
2. दशरूपक-व्या० भोलाशंकर व्यास, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
3. दशरूपक-व्या० डॉ० श्रीनिवास शास्त्री।
4. नाट्यशस्त्र-व्या० भोलानाथ व्यास।

विकल्प-D-वैदिक साहित्य
द्वादश पत्र (12-D)
ऋग्वेद एवं यजुर्वेद संहिता

समय : 3 घण्टे **पूर्णाङ्क : 80**

घटक-I	ऋग्वेद संहिता अग्निमारुत (1.19); सूर्य (1.25); ब्रह्मणस्पति (2.23); मित्र (3.59); ऊषस् (3.61); संघटन (10.191)	20
घटक-II	ऋग्वेद संहिता बृहस्पति (4.50); पर्जन्य (5.83); पूषन् (6.53); सरस्वती (7.95); वरुण (7.88)	20
घटक-III	यजुर्वेद संहिता (प्रथम अध्याय) उव्वट, महीधर तथा स्वामी दयानन्द के भाष्यों का तुलनात्मक अध्ययन।	20
घटक-IV	यजुर्वेद संहिता (अध्याय 32, 34, 36) उव्वट, महीधर तथा स्वामी दयानन्द के भाष्यों का तुलनात्मक अध्ययन।	20

दिशानिर्देश-

घटक-I	(क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	10
	(क) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-II	(क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	10
	(क) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-III	(क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	10
	(क) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-IV	(क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	10
	(क) दो में से एक प्रश्न	5

पंचम प्रश्न-चारों घटकों में से 2½-2½ अंक वाले विकल्प रहित लघूत्तरात्मक 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ-

1. ऋक्सूक्तसंग्रह-कृष्ण कुमार एवं हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ।
2. शुक्ल यजुर्वेद भाष्य-उव्वट-महीधर कृत।
3. ऋग्वेद एवं यजुर्वेद का सुबोध भाष्य-श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, पारडी।
4. ऋग्वेद एवं यजुर्वेद भाष्य-महर्षि दयानन्द सरस्वती, वैदिक यन्त्रालय, अजमेर।
5. ऋग्वेद सायण भाष्य, विश्वेश्वरान्द वैदिक शोध संस्थान, होशियारपुर, पंजाब।
6. Vedic Selection, A.A. Mecdonell, Motilal Banarsidas, Delhi.
7. Hymns of the Atharvaveda–M. Bloomfield.
8. Vedic Reader for Students, A.A. Macdonell.
9. वैदिक संग्रह एवम् व्याख्या-बलदेव सिंह मेहरा।

त्रयोदश पत्र (13-D)
सामवेद एवं अथर्ववेद संहिता

समय : 3 घण्टे **पूर्णाङ्क : 80**

घटक-I	सामवेद संहिता-पूर्वार्चिक, प्रथम प्रपाठक, प्रथमार्ध (1-54 मंत्र)	20
घटक-II	अथर्ववेद संहिता मेधाजनन सूक्त (1.1); अपां भेषजम् (1.5,1.6); सांमनस्य (6.64); शत्रुबाधन (1.16); राज्ञः संवरण (6.87); ध्रुवो राजा (6.88); राष्ट्रसभा (7.13); विराट् (8.10); सभा समितिश्च (7.13)।	20
घटक-III	अथर्ववेद संहिता- राष्ट्रबल (19.41); ब्रह्मा (19.43); पूर्ण आयु (19.61); सर्वप्रिय (19.62)आयुर्वर्धन (19.63); दीर्घायु (19.67); वेदमाता (19.71); विवाह प्रकरण (14.2)	20
घटक-IV	वैदिक स्वर परिचय (क) वैदिक स्वरों का सामान्य परिचय (ख) सामवेदीय स्वरांकन विधि	 12 8

दिशानिर्देश-

घटक-I	(क) चार में से दो मंत्रों की व्याख्या	10
	(क) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-II	(क) चार में से दो मंत्रों की व्याख्या	10
	(क) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-III	(क) चार में से दो मंत्रों की व्याख्या	10
	(क) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-IV	(क) दो में एक प्रश्न अथवा चार में से दो टिप्पणियां	10
	(क) दो में एक प्रश्न अथवा चार में से दो टिप्पणियां	5

पंचम प्रश्न-चारों घटकों में से 2½-2½ अंक वाले विकल्प रहित लघूत्तरात्मक 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ-

1. सामवेद संहिता-डॉ० रामनाथ वेदालंकार।
2. सामवेद संहिता, भाष्य-डॉ० रामनाथ वेदालंकार।
3. सामवेद संहिता, सुबोध भाष्य-श्रीपाद दामोदर सातवलेकर।
4. सामवेद संहिता, अंग्रेजी अनुवाद-स्वामी सत्यप्रकाश सरस्वती एवं सत्यकाम विद्यालंकार।
5. अथर्ववेद संहिता-सायण भाष्य।
6. अथर्ववेद संहिता, सुबोध भाष्य-श्रीपाद दामोदर सातवलेकर।
7. अथर्ववेद संहिताभाष्य-क्षेमकरण दास त्रिवेदी।

चतुर्दश पत्र (14-D)
ब्राह्मण साहित्य

समय : 3 घण्टे **पूर्णाङ्क : 80**

घटक-I	ऐत्तरेय ब्राह्मण (अध्याय 38-40)	20
घटक-II	शतपथ ब्राह्मण, राजसूय श्रौतयज्ञ (पंचम काण्ड, द्वितीय अध्याय ब्राह्मण 3 & 4)	20
घटक-III	शतपथ ब्राह्मण, वाजपेय श्रौतयज्ञ	20
घटक-IV	गोपथ ब्राह्मण (पूर्व भाग-ब्रह्मचारी धर्म स्थापनम्, प्रपाठक 2, कण्डिका 1-7)	20

दिशानिर्देश-

घटक-I	(क) चार में से दो संदर्भों की व्याख्या	10
	(क) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-II	(क) चार में से दो संदर्भों की व्याख्या	10
	(क) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-III	(क) चार में से दो संदर्भों की व्याख्या	10
	(क) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-IV	(क) चार में से दो संदर्भों की व्याख्या	10
	(क) दो में एक प्रश्न	5

पंचम प्रश्न-चारों घटकों में से 2½-2½ अंक वाले विकल्प रहित लघूत्तरात्मक 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ-

1. ऐत्तरेय ब्राह्मण-सायण भाष्य।
2. शतपथ ब्राह्मण-सायण भाष्य।
3. गोपथ ब्राह्मण-क्षेमकरण दास त्रिवेदी।

पञ्चपत्र (15-D)
वैदिकसाहित्य का इतिहास

समय : 3 घण्टे **पूर्णाङ्क : 80**

घटक-I	संहिता साहित्य-रचनाकाल, वर्ण्यविषय	20
घटक-II	ब्राह्मण साहित्य-रचनाकाल, वर्ण्यविषय	20
घटक-III	आरण्यक-उपनिषद्-रचनाकाल, वर्ण्यविषय	20
घटक-IV	वेदाङ्ग साहित्य-रचनाकाल, वर्ण्यविषय	20

दिशानिर्देश-

घटक-I	दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न अथवा छः में से तीन टिप्पणियां	15
घटक-II	दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न अथवा छः में से तीन टिप्पणियां	15
घटक-III	दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न अथवा छः में से तीन टिप्पणियां	15
घटक-IV	दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न अथवा छः में से तीन टिप्पणियां	15

पंचम प्रश्न-चारों घटकों में से 2½-2½ अंक वाले विकल्प रहित लघूत्तरात्मक 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है।

चतुर्थ सामिसत्र
षोडश पत्र
संस्कृति एवं धर्मशास्त्र (भाग-2)

समय : 3 घण्टे **पूर्णाङ्क : 80**

घटक-I	रामायण	20
	(i) रामायण के संस्करण	
	(ii) रामायणकालीन समाज	
	(iii) रामायण का सांस्कृतिक महत्व	
	(iv) अपने अनुवर्ती साहित्य के प्रेरणास्रोत के रूप में रामायण	
घटक-II	महाभारत	20
	(i) महाभारत के संस्करण	
	(ii) महाभारतकालीन समाज	
	(iii) महाभारत का सांस्कृतिक महत्व	
	(iv) अपने अनुवर्ती साहित्य के प्रेरणास्त्रोत के रूप में महाभारत	
घटक-III	पुराण	20
	(i) पुराण परिभाषा	
	(ii) महापुराण एवं उपपुराण	
	(iii) पुराणों का सांस्कृतिक महत्त्व	
	(iv) पुराणों में सृष्टिविद्या	
घटक-IV	कौटिल्य अर्थशास्त्र- (प्रथम भाग केवल प्रथम अधिकरण)	20

दिशानिर्देश-

घटक-I	दो में से एक प्रश्न	15
घटक-II	दो में से एक प्रश्न	15
घटक-III	दो में से एक प्रश्न	15
घटक-IV	(क) चार में से दो संदर्भों की व्याख्या	10
	(ख) दो में से एक प्रश्न	5

पंचम प्रश्न–चारों घटकों में से 2½-2½ अंक वाले विकल्प रहित लघूत्तरात्मक 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ–

1. कौटिलीय अर्थशास्त्र–सम्पा० वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभावन, वाराणसी।
2. कौटिलीय अर्थशास्त्र–अनु० आचार्य उदयवीर शास्त्री।
3. महाभारत–एक समाजशास्त्रीय अनुशीलन–नाथुलाल गुप्त, साहित्य प्रकाशन दिल्ली।
4. A Socio-Political Study of Valmiki Ramayan-Ramashraya Sharma Motilal Banarasidass, Delhi.
5. संस्कृत साहित्य का इतिहास–वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी।
6. पुराण–विमर्श–आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।
7. पौराणिक धर्म एवं समाज–सिद्धेश्वरी नारायण राय, इलाहबाद।
8. रामायाणकालीन समाज और संस्कृति–जगदीश चन्द्र भट्ट, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी।
9. Kautilya's Arith Shastra-R. Shamachastri.
10. Kautilya's Arithshastra and Appraisal-Prof. Pushpender Kumar Delhi.

विकल्प–A

व्याकरण

सप्तदश पत्र (17–A)

सिद्धान्तकौमुदी (सुबन्त, कृत्य एवं तद्धित प्रकरण)

समय : 3 घण्टे **पूर्णाङ्कः 80**

घटक–I	सुबन्त प्रकरण–अजन्त	20
घटक–II	सुबन्त प्रकरण–हलन्त	20
घटक–III	कृत्य प्रकरण	20
घटक–IV	तद्धित प्रकरण (मत्वर्थीय केवल)	20

दिशानिर्देश–

घटक–I	(क) आठ में से चार रूपों की सिद्धि	10
	(क) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या	5
घटक–II	(क) आठ में से चार रूपों की सिद्धि	10
	(क) चार में से सूत्रों की व्याख्या	5
घटक–III	(क) आठ में से चार रूपों की सिद्धि	10
	(क) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या	5
घटक–IV	(क) आठ में से चार रूपों की सिद्धि	10
	(क) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या	5

पंचम प्रश्न–चारों घटकों में से 2½-2½ अंक वाले विकल्प रहित लघूत्तरात्मक 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ–

1. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी (प्रथम भाग व चतुर्थ भाग)–बालकृष्ण पंचोली।
2. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी (प्रथम भाग व चतुर्थ भाग)–गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी एवं परमेश्वरानन्द शर्मा भास्कर।

अष्टादश पत्र (18-A)
उणादिपाठ एवं लिङ्गानुशासन

समय : 3 घण्टे **पूर्णाङ्क : 80**

घटक-I	उणादिपाठ-प्रथम पाद	20
घटक-II	उणादिपाठ-प्रथम पाद	20
घटक-III	उणादिपाठ-प्रथम पाद	20
घटक-IV	लिङ्गानुशासन	20

दिशानिर्देश-

घटक-I	(क) आठ में से चार रूपों की सिद्धि	10
	(ख) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या	5
घटक-II	(क) आठ में से चार रूपों की सिद्धि	10
	(ख) चार में से सूत्रों की व्याख्या	5
घटक-III	(क) आठ में से चार रूपों की सिद्धि	10
	(ख) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या	5
घटक-IV	(क) 10 में से 5 सूत्रों की व्याख्या	5

पंचम प्रश्न-चारों घटकों में से 2½-2½ अंक वाले विकल्प रहित लघूत्तरात्मक 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ-

1. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी -बालकृष्ण पंचोली।
2. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी -गिरिधर एवं परमेश्वरानन्द।
3. लिङ्गानुशासन-आचार्य सुदर्शन देव, गुरुकुल महाविद्यालय, झज्जर।

एकोनविंश पत्र (19-A)
सिद्धान्तकौमुदी (समास एवं प्रक्रिया)

समय : 3 घण्टे **पूर्णाङ्क : 80**

घटक-I	समास (अव्ययीभाव, तत्पुरुष)	20
घटक-II	समास (बहुव्रीहि, द्वन्द्व)	20
घटक-III	प्रक्रिया (ण्यन्त, सन्नन्त, यङन्त, यङ्लुगन्त, नामधातु)	20
घटक-IV	प्रक्रिया (भावकर्म, कर्तृकर्म, आत्मनेपद, परस्मैपद, लकारार्थ)	20

दिशानिर्देश-

घटक-I	(क) आठ में से चार रूपों की सिद्धि	10
	(ख) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या	5
घटक-II	(क) आठ में से चार रूपों की सिद्धि	10
	(ख) चार में से सूत्रों की व्याख्या	5
घटक-III	(क) छः में से तीन रूपों की सिद्धि	15
	(ख) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या	5
घटक-IV	10 में से 5 सूत्रों की व्याख्या	15

पंचम प्रश्न-चारों घटकों में से 2½-2½ अंक वाले विकल्प रहित लघूत्तरात्मक 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ-

1. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी व्याख्याकार-बालकृष्ण पंचोली।
2. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी व्याख्याकार-गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी एवं परमेश्वरानन्द।
3. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी (समास प्रकरण)-जगदीश शर्मा, डॉ० मधुबाला।

विंश पत्र (20-A)
व्याकरणदर्शन

समय : 3 घण्टे **पूर्णाङ्क : 80**

घटक-I	वाक्यपदीय (ब्रह्मकाण्ड)-कारिका 1-74	20
घटक-II	वाक्यपदीय (ब्रह्मकाण्ड)-कारिका 75-156	20
घटक-III	परमलघुमञ्जूषा (शक्ति निरूपण) (आरम्भ से लेकर 'तदर्थो वा इच्छावान् इति व्यवहारः' तक)	20
यूनिट-IV	परमलघुमञ्जूषा (शक्ति निरूपण) ('तस्माद् पदपदार्थयोः सम्बन्धान्तरम् एव शक्तिः' से लेकर समाप्ति तक)	20

दिशानिर्देश-

घटक-I	(क) चार में से दो कारिकाओं की व्याख्या	10
	(क) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-II	(क) चार में से दो कारिकाओं की व्याख्या	10
	(क) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-III	(क) चार में से दो संदर्भों की व्याख्या	15
	(ख) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-IV	(क) चार में से दो संदर्भों की व्याख्या	10
	(ख) दो में से एक प्रश्न	5

पंचम प्रश्न-चारों घटकों में से 2½-2½ अंक वाले विकल्प रहित लघूत्तरात्मक 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है। 20

अनुशंसित ग्रन्थ-

1. वाक्यपदीय-Commentary by K.A.A. Ayyar
2. वाक्यपदीय-व्याख्याकार-सत्यकाम वर्मा।
3. वाक्यपदीय-व्याख्याकर-सूर्यनारायण शुक्ल।
4. परमलषुमंजूषा-व्याख्याकार-डॉ० कपिलदेव शास्त्री-कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रकाशन।

विकल्प-B
भारतीय दर्शन
सप्तदश पत्र (17-B)
न्याय-वैशेषिक दर्शन (प्राच्य)

समय : 3 घण्टे **पूर्णाङ्क : 80**

घटक-I	न्यायदर्शन (वात्स्यायनभाष्य सहित) प्रथम अध्याय, प्रथम आह्निक	20
घटक-II	न्याय दर्शन, प्रथम अध्याय, (वात्स्यायन-भाष्य सहित) द्वितीय आह्निक	20
घटक-III	वैशेषिक दर्शन-प्रशस्तपादभाष्य (द्रव्यनिरूपण)	20
यूनिट-IV	न्याय और वैशेषिक दर्शन का सर्वेक्षण (प्रमुख प्राचीन आचार्य, प्रमुख प्राचीन ग्रन्थ)	20

दिशानिर्देश-

घटक-I	(क) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या	8
	(ख) दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न	7
घटक-II	(क) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या	7
	(क) दो में से एक संदर्भ की व्याख्या	7
घटक-III	(क) दो में से एक संदर्भ की व्याख्या	7
	(ख) दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न अथवा चार में से दो टिप्पणियां।	8
घटक-IV	दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न अथवा छह में से तीन लघु टिप्पणियां	15

पंचम प्रश्न-चारों घटकों में से 2½-2½ अंक वाले विकल्प रहित लघूत्तरात्मक 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है। 20

अनुशंसित ग्रन्थ-

1. न्यायदर्शनम् (वात्स्यायनभाष्यसहितम्) सम्पा० श्रीनारायण मिश्र।

2. न्यायदर्शन-आचार्य उदयवीर शास्त्री।
3. न्यायदर्शन-ब्रह्ममित्र अवस्थी।
4. न्याय-वैशेषिक-धर्मेन्द्र नाथ शस्त्री।
5. Critique of Indian Realism-D.N. Shastri.
6. The Nyaya theory of knowledge-Satish Chandra Chatterji.
7. भारतीय दर्शन-राधाकृष्णन्।
8. भारतीय दर्शन का इतिहास-एस.एन. दास गुप्त।
9. भारतीय दर्शन-आचार्य बलदेव उपाध्याय।

अष्टादश पत्र (18-B)
न्याय-वैशेषिक दर्शन (नव्य)

समय : 3 घण्टे **पूर्णाङ्क : 80**

घटक-I	न्यायसिद्धान्तमुक्तावली। (प्रत्यक्ष खण्ड-बुद्धिनिरूपण केवल) (कारिका 51 से अन्त तक)	20
घटक-II	न्यायसिद्धान्तमुक्तावली अनुमानखण्ड	20
घटक-III	न्यायसिद्धान्तमुक्तावली शब्दखण्ड	20
यूनिट-IV	नव्यन्याय का सर्वेक्षण (प्रमुख आचार्य, प्रमुख ग्रन्थ)	20

दिशानिर्देश-

घटक-I	चार में से दो कारिकाओं की व्याख्या	15
घटक-II	चार में से दो कारिकाओं की व्याख्या	15
घटक-III	दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न अथवा छः में से तीन टिप्पणियां	15
घटक-IV	दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न अथवा छः में से तीन टिप्पणियां	15

पंचम प्रश्न-चारों घटकों में से 2½-2½ अंक वाले विकल्प रहित लघूत्तरात्मक 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है। 20

अनुशंसित ग्रन्थ-

1. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली प्रत्यक्ष खण्ड-डॉ० धर्मेन्द्रनाथ शास्त्री।
2. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली-डॉ० गजानन शास्त्री, मुसलगांवकर।
3. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली-आचार्य लोकमणि दाहाल।

4. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली-चन्द्रधारी सिंह।

5. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली-(दिनकरी-रामरुद्री टीका), चौखम्बा, वाराणसी।

6. Critique of Indian Realism-D.N. Shastri.

7. भारतीय दर्शन का इतिहास-एस०एन० दास गुप्त।

8. भारतीय दर्शन-आचार्य बलदेव उपाध्याय।

9. Bhasha-Parichchhed with Muktavali-Swami Madhavanand.

एकोनविंश (19-B)
मीमांसा एवं वेदान्त दर्शन

समय : 3 घण्टे **पूर्णाङ्क : 80**

घटक-I	मीमांसा दर्शन (शाबरभाष्य) प्रथम अध्याय-प्रथम पाद (तर्क पाद)	20
घटक-II	ब्रह्मसूत्र (शांकरभाष्य) प्रथम अध्याय-प्रथम पाद,(चतुः सूत्री)	20
घटक-III	ब्रह्मसूत्र (शांकरभाष्य) प्रथम अध्याय-प्रथम पाद (पांचवे सूत्र से अंत तक)	20
यूनिट-IV	मीमांसा और वेदान्त दर्शन का सर्वेक्षण (प्रमुख आचार्य, प्रमुख ग्रन्थ)	20

दिशानिर्देश-

घटक-I	(क) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या	8
	(ख) दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न	7
घटक-II	दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न अथवा छः में से तीन टिप्पणियां	15
घटक-III	छः में से तीन सूत्रों की व्याख्या	15
घटक-IV	दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न अथवा छः में से तीन टिप्पणियां	15

पंचम प्रश्न-चारों घटकों में से 2½-2½ अंक वाले विकल्प रहित लघूत्तरात्मक 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है। 20

अनुशंसित ग्रन्थ-

1. ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्यम् (चतुः सूत्री)-आचार्य विश्वेश्वर।

2. ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्यम् (चतुः सूत्री)-डॉ० कामेश्वर मिश्र।

3. ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्यम्-सत्यानन्दी दीपिका।

4. मीमांसादर्शनम् (तर्कपाद)-उमाशंकर शर्मा ऋषि।

5. मीमांसा दर्शन का उद्भाव और विकास-प्रेमा अवस्थी।

6. मीमांसादर्शनविमर्शः-वाचस्पति उपाध्याय।

7. अद्वैत वेदान्त-राममूर्ति शर्मा।
8. Advaita vedanta-T.M.P. Mahadevan
9. Lights on vedanta-V.M.P. Upadhyaya
10. अद्वैततत्त्वमीमांसा-सुधा जैन।
11. Purvamimansa in its sources-G.N. Jha
12. भारतीय दर्शन का इतिहास-एस०एन० दास गुप्त
13. भारतीय दर्शन, भाग 1-2-राधाकृष्णन्।
14. भारतीय दर्शन-आचार्य बलदेव उपाध्याय।

विंश पत्र (20-B)
रामानुज एवं दयानन्द दर्शन

समय : 3 घण्टे **पूर्णाङ्क : 80**

घटक-I	तत्त्वत्रयम्-लोकाचार्य	20
घटक-II	यतीन्द्रमतदीपिका-श्रीनिवासाचार्य (अष्टम-नवम-अवतार)	20
घटक-III	ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका-महर्षि दयानन्द सरस्वती	20
यूनिट-IV	ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका-महर्षि दयानन्द सरस्वती (सृष्टिविद्या एवं पुनर्जन्म विषय)	20

दिशानिर्देश-

घटक-I	(क)	चार में से दो सूत्रों की व्याख्या	8
	(ख)	दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न	7
घटक-II	(क)	चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	8
	(ख)	दो में से एक सैद्धानितक प्रश्न	7
घटक-III	(क)	चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	8
	(ख)	दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न	7
घटक-IV	(क)	चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	8
	(ख)	दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न	7

पंचम प्रश्न-चारों घटकों में से 2½-2½ अंक वाले विकल्प रहित लघूत्तरात्मक 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है। 20

अनुशंसित ग्रन्थ-

1. यतीन्द्र मत दीपिका, व्याख्या-आचार्य शिवप्रसाद द्विवेदी।
2. तत्त्वत्रयम्-लोकाचार्य।
3. ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका-महर्षि दयानन्द।
4. भूमिका भास्कर-स्वामी विद्यानन्द सरस्वती।
5. दयानन्द दर्शन-डॉ० वेदप्रकाश गुप्त।

6. दयानन्द दर्शन, एक अध्याय-डॉ० श्रीनिवास शास्त्री।
7. Study in Ramanuja Vedanta–S.R. Bhatt.
8. Advaita vedanta–T.M.P. Mahadevan
9. Lights on Vedanta-V.M.P. Upadhyaya
10. अद्वैततत्त्वमीमांसा-सुधा जैन।
11. Purvamimansa in its sources-G.N. Jha
12. भारतीय दर्शन का इतिहास-एस.एन.दास गुप्त
13. भारतीय दर्शन, भाग-1-2-राधाकृष्णन्।
14. भारतीय दर्शन-आचार्य बलदेव उपाध्याय।

विकल्प-C
लौकिक संस्कृत साहित्य
सप्तदश पत्र (17-C)
पद्य साहित्य (भाग-2)

समय : 3 घण्टे **पूर्णाङ्क : 80**

घटक-I	किरातार्जुनीय-(प्रथम सर्ग)	20
घटक-II	किरातार्जुनीय-(द्वितीय सर्ग)	20
घटक-III	बुद्धचरित- (तृतीय सर्ग)	20
यूनिट-IV	विक्रमांकदेवचरित (प्रथम सर्ग)	20

दिशानिर्देश-

घटक-I	(क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	10
	(ख) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-II	(क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	10
	(क) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-III	(क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	10
	(ख) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-IV	(क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	10
	(ख) दो में से एक प्रश्न	5

पंचम प्रश्न-चारों घटकों में से 2½-2½ अंक वाले विकल्प रहित लघूत्तरात्मक 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है। 20

अनुशंसित ग्रन्थ-

1. विक्रमांकदेवचरित-पं० विश्वनाथ शास्त्री, भारद्वाज संस्कृत साहित्य अनुसंधान समिति, बनारस।
2. बुद्धचरित-व्याख्याकार श्री रामचन्द्र दास शास्त्री, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी।

अष्टादश पत्र (18-C)
नाट्य साहित्य (भाग-2)

समय : 3 घण्टे **पूर्णांकङ् : 80**

घटक-I	उत्तररामचरित (1-4 अंक)	20
घटक-II	उत्तररामचरित (5-7 अंक)	20
घटक-III	वेणीसंहार (1-3 अंक)	20
यूनिट-IV	वेणीसंहार (4-6 अंक)	20

दिशानिर्देश-

घटक-I	(क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	10
	(ख) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-II	(क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	10
	(क) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-III	(क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	10
	(ख) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-IV	(क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	10
	(ख) दो में से एक प्रश्न	5

पंचम प्रश्न-चारों घटकों में से 2½-2½ अंक वाले विकल्प रहित लघूत्तरात्मक 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है। 20

अनुशंसित ग्रन्थ-

1. उत्तररामचरित-व्या० तारिणीश झा।
2. उत्तररामचरित-व्या० डॉ० कृष्णलाल शुक्ल एवं डॉ० रमाकान्त शुक्ल, साहित्य भण्डार, मेरठ।
3. वेणीसंहार-सम्पा० डॉ० शिवराज शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ।

अष्टादश पत्र (19-C)
आधुनिक संस्कृत साहित्य

समय : 3 घण्टे **पूर्णाङ्क : 80**

घटक-I	पुरोधसः स्वप्नः, मायापतिः (शिवप्रसाद भारद्वाज)	20
घटक-II	द्वा सुपर्णा (राम जी उपाध्याय)	20
घटक-III	अभिनव संस्कृत कथा (डॉ० नारायण शास्त्री काङ्कर)	20
यूनिट-IV	दयानन्द दिग्विजय (मेधाव्रताचार्य)-(1-2 सर्ग)	20

दिशानिर्देश-

घटक-I	(क) चार में से दो संदर्भों की व्याख्या	10
	(ख) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-II	(क) चार में से दो संदर्भों की व्याख्या	10
	(क) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-III	(क) चार में से दो संदर्भों की व्याख्या	10
	(ख) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-IV	(क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	10
	(ख) दो में से एक प्रश्न	5

पंचम प्रश्न-चारों घटकों में से 2½-2½ अंक वाले विकल्प रहित लघूत्तरात्मक 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है। 20

अनुशंसित ग्रन्थ-

1. त्रिपत्री-रूपक त्रयी-शिवप्रसाद भारद्वाज, देवेश पब्लिकेशंस्, रोहतक।
2. द्वा सुपर्णा-राम जी उपाध्याय।
3. दयानन्द दिग्विजयम्-व्या०डॉ० महावीर, चौखम्बा ओरियण्टालिया, दिल्ली।
4. अभिनव संस्कृत कथा-डॉ० नारायण शास्त्री काङ्कर, प्रकाशक-श्रीमती शान्ति देवी, विद्या-वैभव-भवन, जयपुर।

विंश पत्र (20-C)

काव्यशास्त्र (भाग-2)

समय : 3 घण्टे **पूर्णाङ्क : 80**

घटक-I	काव्यप्रकाश (1-3 उल्लस)	20
घटक-II	काव्यप्रकाश (i) चतुर्थ उल्लास (केवल रस प्रकरण) (ii) पञ्चम उल्लास (iii) सप्तम उल्लास (केवल रस दोष) (iv) अष्टम उल्लास	
घटक-III	काव्यप्रकाश (नवम-दशम उल्लास) अलंकार-अनुप्रास, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, समासोक्ति, दृष्टान्त, अर्थान्तरन्यास, निदर्शना, विभावना, विशेषोक्ति, अपह्नुति, संकर, संसृष्टि।	20
घटक-IV	ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत)	20

दिशा निर्देश :-

घटक-I	(क) चार में से दो संदर्भों की व्याख्या	10
	(ख) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-II	(क) चार में से दो संदर्भों की व्याख्या	10
	(ख) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-III	छः में से तीन अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण।	15
घटक-IV	(क) चार में से दो संदर्भों की व्याख्या	10
	(ख) दो में से एक प्रश्न।	5

पंचम प्रश्न-चारों घटकों में से 2½-2½ अंक वाले विकल्प रहित लघूत्तरात्मक 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है। 20

अनुशंसित ग्रन्थ-

1. काव्यप्रकाश, सम्पा० श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ।
2. काव्यप्रकाश, व्याख्याकार-आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल लि०, वाराणसी।
3. ध्वन्यालोक, व्याख्याकार-श्री कृष्ण कुमार।
4. ध्वन्यालोक, व्याख्याकार-आचार्य विश्वेश्वर।

विकल्प-D

सप्तदश पत्र (17-D)

श्रौतसूत्र साहित्य

घटक-I	आश्वलायन श्रौतसूत्र-अध्याय-I (पूर्वार्द्ध)	20
घटक-II	आश्वलायन श्रौतसूत्र-अध्याय-I (उत्तरार्द्ध)	20
घटक-III	कात्यायन श्रौतसूत्र-अध्याय-2	20
यूनिट-IV	कात्यायन श्रौतसूत्र-अध्याय-3	20

दिशानिर्देश-

घटक-I	(क) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या	10
	(ख) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-II	(क) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या	10
	(क) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-III	(क) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या	10
	(ख) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-IV	(क) चार में से दो सूत्रों की व्याख्या	10
	(ख) दो में से एक प्रश्न	5

पंचम प्रश्न-चारों घटकों में से 2½-2½ अंक वाले विकल्प रहित लघूत्तरात्मक 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है। 20

अनुशंसित ग्रन्थ-

1. आश्वलायन श्रौतसूत्र-संस्कृत अनुवाद।
2. आश्वलायन श्रौतसूत्र-अंग्रेजी अनुवाद-रानाडे।
3. कात्यायन श्रौतसूत्र, अंग्रेजी अनुवाद-रानाडे।

अष्टदश पत्र (18-D)
गृह्यसूत्र साहित्य

घटक-I	आश्वलायन गृह्यसूत्र (अध्याय-1) 1-1̣2 खण्ड	
घटक-II	आश्वलायन गृह्यसूत्र (अध्याय-1) 13-24 खण्ड)	
घटक-III	पारस्कर गृह्यसूत्र काण्ड II (कण्डिका 1-8)	
यूनिट-IV	पारस्कर गृह्यसूत्र काण्ड II (कण्डिका 9-17)	

दिशानिर्देश-

घटक-I	दो में से एक प्रश्न	15
घटक-II	दो में से एक प्रश्न	15
घटक-III	दो में से एक प्रश्न	15
घटक-IV	दो में से एक प्रश्न	15

पंचम प्रश्न-चारों घटकों में से 2½-2½ अंक वाले विकल्प रहित लघूत्तरात्मक 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है। 20

एकोनविंश पत्र (19-D)
धर्मसूत्र एवं शुल्बसूत्र

घटक-I	बौधायन धर्मसूत्र (मिताक्षरावृत्ति सहित) (प्रश्न-3अध्याय)	20
घटक-II	गौतम धर्मसूत्र (प्रश्न 1अध्याय-I)	20
घटक-III	कात्यायन शुल्बसूत्र (कण्डिका-I)	20
यूनिट-IV	कात्यायन शुल्बसूत्र (कण्डिका-II)	20

दिशानिर्देश-

घटक-I	(क) चार सूत्रों में से दो की व्याख्या	10
	(ख) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-II	(क) चार सूत्रों में से दो की व्याख्या	10
	(क) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-III	(क) चार सूत्रों में से दो की व्याख्या	10
	(ख) दो में से एक प्रश्न	5
घटक-IV	(क) चार सूत्रों में से दो की व्याख्या	10
	(ख) दो में से एक प्रश्न	5

पंचम प्रश्न-चारों घटकों में से 2½-2½ अंक वाले विकल्प रहित लघूत्तरात्मक 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है। 20

अनुशंसित ग्रन्थ-

1. बौधायन धर्मसूत्र (मिताक्षरावृत्ति सहित), चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
2. बौधायन धर्मसूत्र, व्याख्या-गोविन्द स्वामी, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
3. बौधायन धर्मसूत्र, व्याख्या-गोविन्द स्वामी, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।

4. बौधायन धर्मसूत्र (मिताक्षरावृत्ति सहित), व्याख्या–डॉ० उमेश चन्द्र पाण्डेय, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी ।

5. गौतम धर्मसूत्र, व्याख्या–गोविन्द स्वामी, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।

6. कात्यायन शुल्बसूत्र, हिन्दी –अंग्रेजी व्याख्या –डॉ० डी ०पी० कुलड़िया, देवेश पब्लिकेशंस्, रोहतक।

7. कात्यान शुल्बसूत्र, अंग्रेजी व्याख्या–डॉ० खदिलकर, पूना विश्वविद्यालय प्रकाशन, पूना।

विंश पत्र (20–D)
वैदिक अध्ययन परम्परा

घटक–I प्राचीन भारतीय परम्परा–ब्राह्मण साहित्य, कल्पसूत्र, निरुक्त–निघण्टु, बृहद्देवता, विभिन्न वेदार्थ पद्धतियां। 20

घटक–II प्राचीन वेद भाष्यकार–स्कन्द स्वामी, नारायण, उद्गीथ, महेश्वर, माधवभट्ट, वेंकटमाधव, धानुष्क यज्वा, आत्मानन्द, सायण, उव्वट, महीधर। 20

घटक–III पाश्चात्य वेद भाष्यकार–एच०टी० कॉलब्रुक, विल्सन, रुडोल्फ रॉथ, ग्रासमान, मैक्समूलर, टी०एच० ग्रीफिथ, ह्विलेब्रान्ट, लुईस रेनु, डब्लु केलेण्ड, जे गोण्डा 20

यूनिट–IV आधुनिक भारतीय वेदभाष्यकार–महर्षि दयानन्द सरस्वती, अरविन्द घोष, दामोदर सातवलेकर, मधुसूदन ओझा, क्षेमकरण दास त्रिवेदी, डॉ० रामनाथ वेदालंकार। 20

दिशानिर्देश–

घटक–I दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न अथवा छः में से तीन टिप्पणियां 15

घटक–II दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न अथवा छः में से तीन टिप्पणियां 15

घटक–III दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न अथवा छः में से तीन टिप्पणियां 15

घटक–IV दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न अथवा छः में से तीन टिप्पणियां 15

पंचम प्रश्न–चारों घटकों में से 2½-2½ अंक वाले विकल्प रहित लघूत्तरात्मक 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है। 20

अनुशंसित ग्रन्थ-

1. History of Indian Literature-M.Winternitz.
2. History of Ancient Sanskrit Literature-F.Max Mullera.
3. वैदिक वाङ्मय का बृहद् इतिहास-भगवद्दत्त।
4. India of Vedic Kalpsutras-Dr. Ram Gopal.
5. वैदिक साहित्य का इतिहास-डॉ० कृष्ण कुमार।
6. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-डॉ० बलदेव उपाध्याय।
7. वैदिक साहित्य का इतिहास (भाग-1) डॉ० जयदेव विद्यालंकार।
8. वैदिक साहित्य का इतिहास (भाग-2) डॉ० सुधीकान्त भारद्वाज।
9. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-वाचस्पति गैरोला।